2. श्री एच० एम० दालाया, एसिस्टेंट जनरल मैनेजर, कैरा डिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्ज यूनियन लिमिटेड, आनन्द ।

3. श्री वी० एच० शाह, मैनेजर, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग डिवीजन, वलकन ट्रेडिंग कम्पनी (पी) लिमिटेड, बम्बई

4. श्री एम० हालसे, कनसलटैन्ट न मैनेजमेंट आफ एग्रिकल्चर, ए कोआपरेटिव एन्टरप्राइजिज, इंडियन इस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद ।

सरकारी सदस्य

5. डा० के० के० आया, डायरेक्टर आफ डेरी रिसर्च, नेशनल डेरी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, करनाल ।

6. श्री रणजीत सिंह, चीफ डेरी डैवैलपमेंट आफीसर, यू० पी० कोआपरेटिव डिपार्टमेंट, लखनऊ ।

7. श्री एन० एस० दावे, जनरल मैनेजर, आरे एण्ड वर्ली डेयरीज, ग्रेटर बम्बई मिल्क स्कीम, बम्बई ।

दल ने 27-7-1964 से 5-9-1964 तक कार्य किया । दल पर लगभग 13,000 रुपये कुल खर्च हुए ।

दिल्ली दुग्ध योजना

854. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री ओंकारलाल बेरवा :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली दुग्ध योजना में कितनी मशीनें बेकार पड़ी हैं ;

(ख) क्या यह सच है कि मक्खन बनाना बन्द हो जाने के कारण हाल ही में कुछ मशीनें प्रयोग में नहीं लाई जा रही हैं ;

(ग) यदि हां, तो उन मशीनों का मूल्य क्या है ; और

(घ) उनको कैसे प्रयोग में लाये जाने का विचार है ?

खाद्य तथा कृषि मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) केन्द्रीय डेरी में तीन मशीन और तीन मिल्क कलैक्शन एण्ड चिलिंग केन्द्र में उपकरण बेकार पड़े हैं

(ख) जी नहीं, मक्खन बनाना बन्द नहीं हुआ है ।

(ग) उपकरण जिसका हवाला ऊपर (क) में दिया गया है, की लागत 9,94,108 रुपये 65 पैसे है ।

(घ) मशीनें मुख्यतया दूध की कमी के कारण बेकार पड़ी हैं । दूध उपलब्धि में सुधार करने के लिए सक्रिय उपाय किये जा रहे हैं और ऐसा होते ही इन मशीनों का उपयोग किया जाएगा ।

गहन ढोर विकास खण्ड

855. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठ राज्यों में सोलह गहन ढोर विकास खण्डों की स्थापना की मंजूरी दे दी है ;

(ख) यदि हां, तो उन राज्यों के नाम क्या हैं ;

(ग) क्या अन्य राज्यों में भी ऐसे खण्ड खोलने का प्रस्ताव है ; और

(घ) यदि हां, तो अनुमानतः कितना व्यय होगा और काम के कब तक पूरे हो जाने की संभावना है ?